085/X/SA2/37/B1

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

कक्षा - X

हिन्दी

(पाठ्यक्रम - ब)

निर्धारित समय : 3 घंटे] [अधिकतम अंक : **80**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **12** हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले उस प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है।

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए। 1x5=5

यह युग एक प्रकार से पैसे का युग है। चारों ओर धन की ही पुकार मची हुई है। फिर भी किसी गरीब लेखक तथा विद्वान व्यक्ति का करोड़पतियों से अधिक आदर होता है। धन हमेशा ही बुरी आदतों को प्रोत्साहित करता है। धन लोभी की सफलता हजारों को विषाद में डालती है। बुद्धि की दुनिया में सफलता से समाज की उन्नति में सहायता मिलती है। धनी, धन के घमंड में अपना चरित्र खो बैठता है और धनहीन व्यक्ति उसे ही अपना सब कुछ समझकर अपनाता है। चरित्रवान पुरुष चरित्र को ईश्वर का एक आदेश मानता है और धन-संचय या लाभ-हानि की चिंता किए बिना नि:स्वार्थ भाव से अपने कार्य करता है। इसीलिए हम सब चरित्रवान पर भरोसा करते हैं। संसार में विजय पाने के लिए चरित्र बड़ा मूल्यवान साधन होता है। चरित्र के मार्ग पर चलनेवाला आदमी ही सच्चे अर्थों में महान होता है। संसार में जिसका देव 'सुवर्ण' होता है उसका हृदय प्राय: पत्थर का हो जाता है। वह दूसरों के आँसू पोंछने में विश्वास नहीं करता। वह दूसरों को मिटाकर बनता है, दूसरों के घर गिराकर अपना घर बनाता है। उसकी नस-नस में लोभ भरा होता है। संसार को ऐसे व्यक्तियों की आवश्यकता है जो स्वार्थ के लिए नहीं, परमार्थ के लिए जीवित रहते हैं, जो धन के लिए स्वाभिमान नहीं बेचते। जिनकी अंतरात्मा एक दिशा-सूचक यंत्र की सुई के समान एक शुभ नक्षत्र की ओर देखा करती है। जो अपने समय, शक्ति और जीवन को दूसरों के लिए, देश, जाति और समाज के लिए अर्पित कर देते हैं, उनका चरित्र महान होता है।

(i) आधुनिक समय को 'पैसे का युग' कहा गया है क्योंकि - 1

(क) पैसे का लेन-देन अधिक होता हैं।

(ख) चारों ओर धन की पुकार है।

(ग) लोग धन को सर्वाधिक महत्त्व देते हैं।

(घ) पैसे कमाने के अनेक अवसर हैं।

(ii) 'बुद्धि की दुनिया' में कौन लोग आते हैं? 1

(क) नेता, मंत्री, अधिकारी।

(ख) व्यापारी, लेखक, अध्यापक।

(ग) लेखक, विद्वान, विचारक।

(घ) चित्रकार, स्वर्णकार, कथाकार।

(iii) चरित्रवान समाज के लिए उपयोगी होता है क्योंकि वह - 1

(क) समाज के बारे में सोचता है।

(ख) नि:स्वार्थ भाव से कार्य करता है।

(ग) लाभ-हानि की चिंता नहीं करता है।

(घ) अपना हित साधकर चलता है।

(iv) 'जिसका देवता सुवर्ण होता है' - कथन में 'सुवर्ण' का आशय है - 1

(क) सोना

(ख) गोरा रंग

(ग) धन-दौलत

(घ) ऊँची जाति

(v) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा – 1

(क) धनी बड़ा या विद्वान

(ख) धन बड़ा या चरित्र

(ग) स्वार्थ बड़ा या परमार्थ

(घ) देश बड़ा या धर्म

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए। 1x5=5

हम लोग तीन सिद्ध जातियों से भली-भाँति परिचित हैं – श्रमजीवी, बुद्धिजीवी और परजीवी। श्रमजीवी अपने परिश्रम से जीवन-यापन करता है, बुद्धिजीवी खुद को श्रमजीवी से श्रेष्ठ समझता है। उसका विचार है कि समाज को बुद्धि के द्वारा दिया गया योगदान ही सर्वश्रेष्ठ है। इसके बदले में वह धन-संपदा से पहले मान-सम्मान और पुरस्कार की अपेक्षा रखता है। परजीवी दूसरों की दया पर जीवन-यापन करता है। अब इन सबसे बढ़कर एक नई जाति पैदा हो गई है – बयानजीवी। यह जाति मात्र बयान देकर अपना जीवन-यापन करती है। बड़े-बड़े कर्मठ और परिश्रमी लोग इस जाति से मात खा जाते हैं। महान बुद्धिजीवी इस जाति के आगे पानी भरते हैं और परजीवी इसकी काहिली देख हाथ जोड़ देते हैं। इस जाति का काम सुबह देर तक सोना, बिस्तर पर पड़े-पड़े टी.वी. देखना और दोपहर के बाद खबरों की जुगाली करना होता है। अमूमन ऐसे लोग वे होते हैं जिनकी खुद की औकात कुछ नहीं होती पर वे बयान किसी ऐसी हस्ती को टार्गेट कर देते हैं कि खुद-ब-खुद लाईम लाइट में आ जाते हैं। फिर एक दिन बिना कुछ किए धरे बड़े नेता बन जाते हैं।

साहित्य और कला के क्षेत्र में तो समाज बयानजीवियों का कृतज्ञ है। ये बयानजीवी अपने बयान से कुछ लेखकों को स्थापित करने और कुछ स्थापित लेखकों को विस्थापित करने जैसे कार्य न करें तो समाज को पता ही न चले कि साहित्य के क्षेत्र में हो क्या रहा है। यह बयानबाजी घटिया रचना या पुस्तक को बेस्ट सेलर बना सकती है। एक बयानजीवी किसी पिटी हुई टीआरपी के शो में अपने बयान से नई जान फूँक सकता है।

(i) 'खबरों की जुगाली करने से अभिप्राय है 1

(क) खबरों को बढ़ा-चढ़ा कर फैलाना।

(ख) खबरों को पढ़ना।

(ग) खबरों को दूसरों को सुनाना।

(घ) खबरों पर चिंतन करना।

(ii) बयानजीवी बिना कुछ किए बड़े नेता कैसे बन जाते हैं? 1

(क) दूसरों के बारे में बयान देकर।

(ख) किसी बड़ी हस्ती के विषय में बयान देकर।

(ग) अपने गलत कर्मों के कारण।

(घ) बड़े बनने के लिए मेहनत करके।

(iii) इस गद्यांश में लेखक कहना चाहता है कि बयानजीवी – 1

(क) समाज का महत्त्वपूर्ण व्यक्ति है

(ख) अपने बयान के कारण नेता बन जाता है

(ग) बयान देकर किसी को ऊपर उठाता या नीचे गिराता है

(घ) श्रमजीवी की भाँति काम में लगा रहता है

(iv) 'जान फूँकना' मुहावरे का सही अर्थ किस वाक्य में है? 1

(क) साँप के काटे जाने पर फूँक-फूँककर जान फूँकी जाती है।

(ख) जान - फूँक की तरह निकल जाती है।

(ग) हमें कभी-कभी दूसरों की जान फूँकनी चाहिए।

(घ) कैप्टेन ने अपने नेतृत्व से निराश टीम में जान फूँक दी।

(v) 'स्थापित लेखकों को विस्थापित करने' से लेखक का क्या आशय है? **1**

(क) प्रतिष्ठित लेखकों को अप्रतिष्ठित कर देना।

(ख) अप्रतिष्ठित लेखकों को प्रतिष्ठित कर देना।

(ग) स्थिर लेखकों को भगा देना।

(घ) लेखकों को उनके घरों से दूर कर देना।

3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए। 1x5=5

मनमोहिनी प्रकृति की जो गोद में बसा है।
सुख स्वर्ग-सा जहाँ है, वह देश कौन-सा है?
जिसके चरण निरंतर रत्नेश धो रहा है,
जिसका मुकुट हिमालय, वह देश कौन-सा है?
नदियाँ जहाँ सुधा की धारा बहा रही हैं,
सींचा हुआ सलोना, वह देश कौन-सा है?
जिसके बड़े रसीले फल-कंद-नाज मेवे
सब अंग में सजे हैं, वह देश कौन-सा है?
जिसमें सुगंध वाले सुंदर प्रसून प्यारे,
दिन-रात हँस रहे हैं, वह देश कौन-सा है?
मैदान-गिरि-वनों में हरियालियाँ लहरतीं
आनंदमय जहाँ है, वह देश कौन-सा है?
जिसके अनंत धन से धरती भरी पड़ी है,
संसार का शिरोमणि वह देश कौन-सा है?
सबसे प्रथम जगत में जो सभ्य या यशस्वी,
जगदीश का दुलारा, वह देश कौन-सा है?

(i) वह देश कौन-सा है? **1**

(क) हिमालय

(ख) भारत

(ग) रत्नेश

(घ) यशस्वी

(ii) 'जिसके अनंत धन से धरती भरी पड़ी है' में 'अनंत धन' से आशय है - **1**

(क) ज़मीन में दबा धन

(ख) उत्तराधिकार में प्राप्त संपत्ति

(ग) प्राकृतिक संपदा

(घ) व्यक्तिगत संपत्ति

(iii) कवि ने 'सुधा-धारा' किसके जल को कहा है? **1**

(क) झरनों के

(ख) सागर के

(ग) झीलों के

(घ) नदियों के

(iv) काव्यांश के अनुसार क्या सत्य नहीं है? **1**

(क) यहाँ स्वर्ग के समान सुख है

(ख) तपस्वी लोग रहते हैं।

(ग) हरियाली भरा है।

(घ) रसीले फल हैं।

(v) काव्यांश में पर्वत और समुद्र के पर्यायवाची शब्द हैं **1**

(क) नग, सागर

(ख) पहाड़, जलधि

(ग) अनल, गिरि

(घ) गिरि, रत्नेश

4. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरवाले विकल्प चुनकर लिखिए। 1x5=5

हवाएँ बहती होंगी
तब भी
जब नहीं उगा होगा
समुद्र की कोख से हिमालय
समुद्र के गर्भाशय में भ्रूण-सी तैरती होगी धरती
शीतलता से भरा होगा सूर्य।

सूर्य तपने लगा होगा
समुद्र-जल सूखने लगा होगा
पपड़ियों-सी जमने लगी होंगी तहें
जमी होगी मिट्टी, पत्थर, चट्टानें
उग गया होगा हिमालय
उग आए होंगे पेड़, पौधे, पत्ते, फूल
चलने लगे होंगे
ऊबड़-खाबड़ धरती पर डगमगाते कदम
हवाएँ तब भी बहती होंगी।
मानव कदम सँभले होंगे
ऋचाओं ने जन्म लिया होगा
समिधा, हवनकुंड, घृत, मधु, मंत्रोच्चारण
मानव ने बहा दी होगी चंदनी सुगंध चारों ओर
महके होंगे अन्तर्मन
हवाएँ तब भी बहती होंगी।

हवाएँ तैरती रही होंगी
आकाश में, पर्वत-शिखरों पर, बर्फ पर, नदियों के उद्गम पर।
नदियों की लहरों पर बैठकर
उतर आई होंगी हवाएँ
गूंजे होंगे सपाट मैदान।

(i) काव्यांश के अनुसार हिमालय 1

(क) धरती से पुराना है।

(ख) घाटी से जमा है।

(ग) समुद्र से जमा है।

(घ) सबसे प्राचीन पर्वत है।

(ii) कवि के अनुसार भारतीय संस्कृति कहाँ जन्मी और फली-फूली 1

(क) भारत में

(ख) समुद्र में

(ग) हिमालय में

(घ) हवा में

(iii) काव्यांश के अनुसार कौन-सा कथन असत्य है - 1

(क) सूर्य के तपने से समुद्र सूखने लगे।

(ख) सुंदर हिमालय में मानव के कदम भटके होंगे।

(ग) हवाएँ सदा बहती रहती हैं।

(घ) हिमालय के स्थान पर पहले समुद्र था।

(iv) नदियों के निकलने के स्थान को कहते हैं? 1

(क) उद्‌गम स्थल।

(ख) जन्मस्थल।

(ग) जलस्थल।

(घ) आदिस्थल।

(v) इस कविता का शीर्षक होगा - 1

(क) धरती का जन्म।

(ख) सभ्यता का विकास।

(ग) हवाएँ बहती हैं।

(घ) धर्म की स्थापना।

खंड 'ख'

5. (i) '<u>बेहद शान्त, सभ्य और भोला</u> व्यक्ति सबको प्रिय होता है।' रेखांकित में पदबंध का भेद है - 1

(क) सर्वनाम

(ख) विशेषण

(ग) क्रिया

(घ) क्रिया विशेषण

(ii) 'छत पर खड़ा हुआ बालक गिर पड़ा।' वाक्य में संज्ञा पदबंध है - 1

(क) छत पर

(ख) खड़ा हुआ

(ग) छत पर खड़ा हुआ

(घ) छत पर खड़ा हुआ बालक

(iii) भाई साहब <u>लंबे</u> हैं ही। रेखांकित का पद परिचय है – **1**

(क) क्रिया विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग

(ख) विशेषण, बहुवचन, स्त्रीलिंग

(ग) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग

(घ) गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग

(iv) <u>युवती</u> झुँझला उठी। रेखांकित का पदपरिचय है – **1**

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, बहुवचन, स्त्रीलिंग

(ख) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन

(ग) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन

(घ) विशेषण, गुणवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन

6. (i) 'मेरा विचार है कि आज घूमने चलें।' रचना की दृष्टि से वाक्य भेद है – **1**

(क) सरल

(ख) मिश्र

(ग) संयुक्त

(घ) कथनात्मक

(ii) निम्नलिखित में मिश्रवाक्य है – **1**

(क) वे स्वस्थ रहने के लिए संतुलित भोजन करते हैं।

(ख) वे संतुलित भोजन करते हैं और स्वस्थ रहते हैं।

(ग) जो संतुलित भोजन करते हैं वे स्वस्थ रहते हैं।

(घ) संतुलित भोजन करने पर वे स्वस्थ रहते हैं।

(iii) निम्नलिखित में संयुक्त वाक्य है – **1**

(क) बहुत परिश्रम करने के बाद भी वह सफल नहीं हुआ।

(ख) उसने बहुत परिश्रम किया किन्तु वह सफल नहीं हुआ।

(ग) यद्यपि उसने बहुत परिश्रम किया फिर भी वह सफल नहीं हुआ।

(घ) बहुत परिश्रम करने पर भी वह असफल ही हुआ।

(iv) 'शिक्षक ने कहा। बच्चे मान गए।' इन वाक्यों से बना मिश्र वाक्य है – **1**

(क) जब शिक्षक ने कहा तब बच्चे मान गए।

(ख) शिक्षक ने कहा और बच्चे मान गए।

(ग) शिक्षक के कहने पर बच्चे मान गए।

(घ) शिक्षक के कहते ही बच्चे मान गए।

7. (i) 'पर्यावरण' का संधि-विच्छेद है – **1**

(क) परी + आवरण

(ख) परि + आवरण

(ग) परि + आवरन

(घ) पर्य + अवरण

(ii) 'लघु + उत्तर' की संधि है 1

(क) लघुत्तर

(ख) लघूत्तर

(ग) लघु उत्तर

(घ) लघुतर

(iii) 'रोगमुक्त' समस्तपद का विग्रह है – 1

(क) रोग का मुक्त

(ख) रोग से मुक्त

(ग) मुक्ति से रोग

(घ) रोग में मुक्त

(iv) 'नीला है जो कंठ' का समस्तपद है – 1

(क) नीलकंठ

(ख) कंठनील

(ग) निलकंठ

(घ) नीलाकंठ

8. (i) भारतीय सैनिकों ने शत्रुओं का ....। उपयुक्त मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति करें – 1

(क) नज़र रखा

(ख) तरस खाया

(ग) काम तमाम कर दिया

(घ) फरार हो गए

(ii) कुछ निजी महाविद्यालय ऐसा प्रचार करते हैं कि उनके समान और कोई महाविद्यालय नहीं है, वहाँ प्रवेश लेने के बाद ही पता चला कि उसकी शिक्षा का स्तर कम है। इसी को कहते हैं कि ....। 1

(क) एक पंथ दो काज।

(ख) घर का भेदी लंका ढ़ाए।

(ग) उल्टा चोर कोतवाल को ड़ाँटे

(घ) ऊँची दुकान फीका पकवान

(iii) 'छुट्टी करना' मुहावरे का अर्थ है – 1

(क) मार ड़ालना

(ख) छुट्टी देना

(ग) पकड़ा जाना

(घ) क्रोधित होना

(iv) 'नौ नकद न तेरह उधार' का अर्थ है – 1

(क) नकद की अपेक्षा उधार विक्री अधिक होती है।

(ख) जो नकद नहीं खरीदेगा उसे उधार भी नहीं मिलेगा।

(ग) अभी कम भी मिले तो स्वीकार कर लेना चाहिए।

(घ) उधार प्रेम की कैंची है।

9. (i) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है – 1

(क) उसे किताबें खरीदना है।
(ख) उसने किताब खरीद न सकी।
(ग) उसने किताबें खरीदीं।
(घ) वह किताब खरीदा।

(ii) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है – 1

(क) लता कविता सुनाई।
(ख) लता ने कविता सुनाई।
(ग) लता कविता सुनाती है।
(घ) लता ने कविताएँ सुनाईं।

(iii) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है – 1

(क) आपको क्या होना ?
(ख) हमें बहुत से रुपए चाहिए।
(ग) आप क्या कर रहे हो ?
(घ) एक कप गर्म कॉफी पीते जाइए।

(iv) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है – 1

(क) यहाँ शुद्ध गाय का दूध मिलता है।
(ख) गाय का शुद्ध दूध यहाँ मिलता है।
(ग) गाय का शुद्ध दूध मिलता है।
(घ) यहाँ गायका दूध मिलता है।

खंड 'ग'

10. किसी एक काव्यांश को पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए। 1x5=5

रहो न भूल के कभी मदांध तुच्छ वित्त में,
सनाथ जान आपको करो न गर्व चित्त में।
अनाथ कौन है यहाँ ? त्रिलोकनाथ साथ हैं,
दयालु दीनबंधु के बड़े विशाल हाथ हैं।
अतीव भाग्यहीन है, अधीर भाव जो करे,
वही मनुष्य है जो मनुष्य के लिए मरे।।

(i) मनुष्य को किसका घमंड भूलकर भी नहीं करना चाहिए ? 1

(क) धन-दौलत
(ख) पढ़ाई
(ग) शक्ति
(घ) गरीबी

(ii) कविता के अनुसार भाग्यहीन कौन है ? 1

(क) जो अधीर हो
(ख) जो धन-दौलत से भरपूर हो
(ग) जो खुद को सर्वोच्च समझे
(घ) जो गरीबों को धिक्कारता हो

(iii) कविता के अनुसार किसके हाथ विशाल हैं? **1**

(क) अकेले मनुष्य के

(ख) धनी व्यक्ति के

(ग) मदांध व्यक्ति के

(घ) ईश्वर के

(iv) सच्चा मनुष्य कौन है? **1**

(क) जो स्वयं को सर्वोच्च समझे

(ख) जो धनी हो

(ग) जो परमार्थ में अपने प्राण भी दे दे

(घ) जो ईश्वर पर विश्वास न करे

(v) यहाँ कोई अनाथ नहीं है, क्योंकि - **1**

(क) सबके माता-पिता जीवित हैं।

(ख) सरकार सबका ध्यान रखती है।

(ग) त्रिलोकीनाथ नामक व्यक्ति सबके साथ है।

(घ) ईश्वर सबकी सहायता करता है।

अथवा

कोई कहीं सहायक न मिले,
तो अपना बल पौरुष न हिले
हानि उठानी पड़े जगत् में लाभ अगर वंचना रही
तो भी मन में ना मानूँ क्षय।
मेरा त्राण करो अनुदिन तुम यह मेरी प्रार्थना नहीं
बस इतना होवे (करुणामय)
तरने की हो शक्ति अनामय।

(i) किसी सहायक के न मिलने पर कवि चाहता है कि - **1**

(क) ईश्वर उसकी मदद करे।

(ख) कोई आकर सहायक बने।

(ग) अपना बल-पौरुष बना रहे।

(घ) कोई भी मदद न करे।

(ii) 'अनामय' का अर्थ है - **1**

(क) स्वस्थ

(ख) हिम्मती

(ग) सहायक

(घ) बीमार

(iii) 'मेरा त्राण करो' का आशय है - **1**

(क) आश्रय देना।

(ख) बचाव करना।

(ग) उद्धार करना।

(घ) तीनों सही हैं।

(iv) 'तो भी मन में ना मानूँ क्षय - कवि किस स्थिति में भी क्षय नहीं मानना चाहता? 1

(क) दुख पड़ने पर भी।

(ख) पुरस्कार न मिलने पर।

(ग) कार्य हानि होने पर।

(घ) ईश्वर की प्राप्ति न होने पर।

(v) काव्यांश में ईश्वर के लिए कौन-सा शब्द आया है? 1

(क) पौरुष

(ख) अनुदिन

(ग) करुणामय

(घ) सहायक

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से ***किन्हीं दो*** के उत्तर लिखिए - **2.5=5**

(i) भीड़ ख्यूक्रिन पर क्यों हँसने लगी थी?

(ii) समुद्र के गुस्से की क्या वजह थी? उसने अपना गुस्सा कैसे निकाला?

(iii) समाज में मूल्यों के गिरने का क्या कारण है?

(iv) वज़ीर अली ने कंपनी के वकील का कत्ल क्यों किया?

12. लेखक के अनुसार सत्य केवल वर्तमान है उसी में जीना चाहिए। लेखक ने ऐसा क्यों कहा। 'झेन की देन' के आधारपर उत्तर लिखिए। **5**

अथवा

'गिरगिट' कहानी के शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए -

13. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -**

शैतान की औलाद ! मैं तुझे छोड़ने वाला नहीं! और उसकी उँगली भी जीत के झंड़े की तरह गड़ी दिखाई दे रही थी। ओचुमेलॉव ने इस व्यक्ति को पहचान लिया। वह ख्यूक्रिन नामक सुनार था और इस भीड़ के बीचों बीच, अपनी अगली टाँगें पसारे, नुकीले मुँह और पीठ पर फैले पीले दाग वाला, अपराधी - सा नज़र आता, सफेद बार जोई पिल्ला, ऊपर से नीचे तक काँपता पसरा पड़ा था। उसकी आँसुओं से सनी आँखों में संकट और आतंक की गहरी छाप थी।

(i) पाठ व लेखक का नाम लिखिए। **1**

(ii) किसने और किसे शैतान की औलाद कहा? **1**

(iii) ख्यूक्रिन की उंगली की क्या स्थिति थी? ऐसा कैसे हुआ? **2**

(iv) पिल्ला कैसा लग रहा था? **1**

अथवा

''हमारे जीवन की रफ्तार बढ़ गई है। यहाँ कोई चलता नहीं, बल्कि दौड़ता है। कोई बोलता नहीं, बकता है। हम जब अकेले पड़ते हैं तब अपने आप से लगातार बड़बड़ाते रहते हैं। ....अमेरिका से हम प्रतिस्पर्धा करने लगे। एक महीने में पूरा होने वाला काम एक दिन में ही पूरा करने की कोशिश करने लगे। वैसे भी दिमाग की रफ्तार हमेशा तेज ही रहती है। उसे ''स्पीड का इंजन लगाने पर वह हज़ार गुना अधिक रफ्तार से दौड़ने लगता है। फिर एक क्षण ऐसा आता है जब दिमाग का तनाव बढ़ जाता है और पूरा इंजन टूट जाता है। .... यही कारण है जिससे मानसिक रोग यहाँ बढ़ गए हैं।''

(i) पाठ और लेखक का नाम लिखिए। 1

(ii) 'जीवन की रफ्तार बढ़ने से आप क्या समझते हैं? 1

(iii) कौन किससे और क्या होड़ कर रहा है? 1

(iv) मानसिक रोग किन लोगों में और क्यों बढ़ रहे हैं? 2

14. (i) विश्व-शलभ दीपक के साथ क्यों जल जाना चाहता है? 1

(ii) 'सर हिमालय का हमने न झुकने दिया' - आशय स्पष्ट कीजिए - 2

(iii) बिहारी के दोहे के अनुसार भीषण गर्मी का वर्णन कीजिए। 2

15. दादी अपने बेटे की शादी में गाने-नाचने की इच्छा पूरी क्यों न कर सकी? 3

अथवा

हेडमास्टर और प्रीतमचंद के स्वभाव में क्या अंतर था?

16. पी.टी.साहब की 'शबाश' फौज की तमगों सी क्यों लगने लगती थी? 2

खण्ड - घ

17. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर **100** शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : 5

(क) विज्ञापन का प्रभाव

- विज्ञापन की आवश्यकता
- युवा एवं बच्चों पर प्रभाव
- विज्ञापनों से बढ़ती इच्छाएँ

(ख) बेरोज़गारी

- बेरोज़गारी के प्रकार
- युवाओं में बढ़ती अपराधिक प्रवृत्तियाँ
- बेरोज़गारी को रोकने का उपाय

(ग) वृक्ष और पर्यावरण

- पर्यावरण को शुद्ध रखने का महत्त्व
- सामान्य जीवन में वृक्षों का योगदान
- कटते वृक्ष और हमारा भविष्य

18. अपने क्षेत्र में पेय जल की समुचित व्यवस्था हेतु नगर निगम के अधिकारी को पत्र लिखिए। 5

अथवा

अपने क्षेत्र में अत्यधिक बिजली कटौती की समस्या पर प्रकाश डालते हुए बिजली कार्यालय के उच्च-अधिकारी को पत्र लिखिए।

- o 0 o -